अन्तरधार्मिक परिसम्वाद सम्बन्धी
परमधर्मपीठीय विभाग

ख्रीस्तीय एवं हिन्दूः एक साथ मिलकर मित्रवत जीने एवं सहज़िम्मेदारी निभाने को बढ़ावा दें

दीपावली सन्देश 2022

वाटिकन सिटी

प्रिय हिंदू मित्रो,

परमधर्मपीठीय अन्तरधार्मिक परिसम्वाद सम्बन्धी विभाग जिसे अब तक परमधर्मपीठीय अन्तरधार्मिक परिसम्वाद परिषद के नाम से जाना जाता था, आप सब को 24 अक्टूबर को मनाये जानेवाले दीपावली महापर्व के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ अर्पित करता है। दीपों का यह पर्व आपको कृपा एवं आनन्द से परिपूर्ण कर दे जिससे कि आप अपने स्वयं के जीवन के अलावा, अपने परिवार, समुदाय और व्यापक समाज में उपस्थित सभी के जीवन को प्रज्वलित कर सकें!

विश्व के विभिन्न भागों में धार्मिक, सांस्कृतिक, जातीय, नस्लीय और भाषाई पहचान तथा प्रभुत्व पर आधारित तनाव, संघर्ष और हिंसा की बढ़ती घटनाएं जो प्रायः प्रतिस्पर्धा, लोकलुभावन और विस्तारवादी राजनीति के साथ-साथ बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक आंदोलनों तथा खुले और ज़बरदस्त तरीके से सोशल मीडिया के दुरुपयोग द्वारा भड़कायी जाती हैं- हम सभी के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि वे समाज में भाईचारे और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बुरी तरह से प्रभावित करती हैं। इस संदर्भ में, लोगों के बीच मित्रवत जीने और सह-ज़िम्मेदारी निभाने की भावना को बढ़ावा देने की आवश्यकता अनिवार्य और अवश्यंभावी हो जाती है। इसीलिये अपनी पोषित परम्परा को बरकरार रखते हुए, कैसे हम ईसाई और हिंदू दोनों, एक साथ मिलकर सबकी भलाई के लिए लोगों को मित्रवत जीने और सह-ज़िम्मेदारी निभाने हेतु प्रोत्साहित कर सकते हैं, इस विषय पर कुछ विचार आपके साथ साझा करना चाहते हैं।

मित्रवत जीना, मिलनसारिता एवं जीवंतता का गुण है। साथ ही यह दूसरों की वैयक्तिकता, विविधता और मतभेदों के बीच भी सम्मान, प्रेम और विश्वास की भावना के साथ जीने की क्षमता प्रदान करना है। एक ओर जहाँ यह मनुष्यों के बीच मैत्रीपूर्ण एवं भ्रातृत्वपूर्ण, स्वस्थ एवं सामंजस्यपूर्ण संबंध बनाने का कृत्य एवं कला है वहीं दूसरी ओर यह उनके और प्रकृति के बीच भी ऐसा सम्बन्ध बनाने की कला और कार्य है। यह गुण दैनिक आधार पर, व्यक्तिगत साक्षात्कारों और संवाद के माध्यम से, धैर्य और दृढ़ता के साथ, परस्पर श्रवण करने और सीखने तथा इस दृढ़ विश्वास से निर्मित होता है कि "जीवन वहां मौजूद है जहां सम्बन्ध, सहभागिता, बंधुत्व है" (सन्त पापा फ्राँसिस, भ्रातृ भाव और सामाजिक मैत्री के विषय पर विश्व पत्र फ्रात्तेल्ली तूती - 2020, संख्या 87)।

मित्रवत जीने की भावना का संवर्धन एक दूसरे की और सृष्टि की देखभाल हेतु ज़िम्मेदारी वरण की मांग करता है। यह सर्वहित के लिये उदारता, बंधुत्व एवं सह-ज़िम्मेदारी की भावना से साथ-साथ चलने और कार्य करने के लिये तत्परता का आह्वान करता है। जनकल्याण के लिये कर्त्तव्यनिष्ठता के साथ अपने संभावित तरीकों से योगदान करने के अलावा, हमें यह भी आवश्यक है कि हम प्रत्येक मानव की पारलौकिक गरिमा और उससे प्रस्फुटित उसके वैध अधिकारों का सम्मान कर, सभी की सामाजिक खुशहाली और सतत विकास के लिए काम करते हुए मनुष्य एवं प्रकृति के बीच सामंजस्यपूर्ण जीवन हेतु अपने आस-पास के लोगों को भी ज़िम्मेदार बनाकर मित्रवत जीने को साकार करने के लिये अपने को समर्पित करें। मित्रवत जीने के इस मार्ग पर हमें समाज में प्रचलित व्यक्तिवाद और उदासीनता के कारण बड़े पैमाने पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। फिर भी विश्वासी होने के नाते हमें निराशावाद में नहीं झुकना है, बल्कि एकजुट होकर दूसरों के लिये अनुकरणीय उदाहरण बनकर कार्य करना है।

जिस तरह परिवारों में माता-पिता और बुज़ुर्गों का अपने स्वयं के उदाहरण से, बच्चों और युवाओं के मन में सौहार्द्र और सह-ज़िम्मेदारी के महान मूल्यों को बैठाने की प्रमुख भूमिका है, उसी प्रकार विश्व के सभी धार्मिक नेताओं, धार्मिक समूहों, शैक्षणिक संस्थानों, संचार माध्यमों तथा सरकारी और ग़ैर-सरकारी संगठनों जैसे परिवारों का भी यह साझा कर्त्तव्य है कि वे सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करते हुए, मित्रवत जीने और सह-ज़िम्मेदारी निभाने के मूल्यों को पोषित करें। इसके अतिरिक्त, अन्तरधार्मिक संवाद, जो संत पापा फ्राँसिस के अनुसार, हमारे समय में "एक दैविक संकेत" है और "दुनिया में भाईचारे और

शांति के विकास के लिए एक विशेषाधिकार प्राप्त मार्ग" (अंतर्धार्मिक सम्वाद पर अंतर्राष्ट्रीय यहूदी समिति के प्रतिनिधियों के लिये सम्बोधन, 30 जून 2022) है, विभिन्न धार्मिक परंपराओं के लोगों को लोक-कल्याण हेतु भाईचारे, एकता और एकजुटता में जीने तथा कार्य करने के लिये प्रेरणा व चुनौती का एक शक्तिशाली साधन है और ऐसा बन सकता है।

अपने-अपने धार्मिक विश्वासों व आस्थाओं में मूलबद्ध विश्वासियों और धार्मिक नेताओं के रूप में मानव परिवार तथा हमारे सामान्य 'धाम' धरती के कल्याण हेतु समान चिंता और ज़िम्मेदारी के साथ आइए, हम ख्रीस्तीय एवं हिन्दू, अन्य धार्मिक परम्पराओं के अनुयायियों एवं सभी शुभचिन्तकों के साथ मिलकर, व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से, इस दुनिया को एक सुरक्षित घर के रूप में परिवर्तित करने के लिए मित्रवत और सह-ज़िम्मेदारी के साथ जीने की भावना को बढ़ावा दें जिससे कि सभी शांति और आनन्द में जीवन यापन कर सकें!

आप सबको दीपावली की मंगलकामनाएँ।

कार्डिनल मिगेल आन्गेल अयुसो गिक्सो, एमसीसीजे

प्रीफेक्ट

मोन्सिन्ज्ञोर इन्दुनिल कोडिथुवाक्कु जनकरतने कंगनमलगे

सचिव